- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 अटल बिहारी के जयंती पर महिला क्रिकेट चैंपियनशिप में 107 खिलाड़ी होंगे शामिल

04 अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए हमें हमेशा तैयार व तत्पर रहना चाहिए- प्राचार्य

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 17 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 305

हनुमान बेनीवाल ने दिया लोकसभा सदस्यता से त्यागपत्र

जयपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख व नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपनी लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बेनीवाल ने शुक्रवार शाम को लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को त्यागपत्र दिया। गौरतलब है कि हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में नागौर जिले की खींवसर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित होने के कारण लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। बेनीवाल अब विधानसभा में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। बेनीवाल चौथी बार खींवसर से विधायक निर्वाचित हुए हैं।

वर्ष 2047 तक भारत होगा विकसित देश: मोदी

प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का वर्चुअली शुभारंभ किया

बीएनएम@उज्जैन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित देश होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा का यही उद्देश्य है। संकल्प यात्रा के माध्यम से हर झुग्गी-झोपड़ी तक शासन की सभी योजनाओं का लाभ पहुँचे, सब मिलकर ऐसे प्रयास करें। संकल्प यात्रा में जाने वाली मोदी की गारंटी वाली गाड़ी, जनता को हर योजना का लाभ देगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार शाम को मध्यप्रदेश सहित देश के पांच राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हरी झण्डी दिखाकर वर्चुअली शुभारंभ किया। उज्जैन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से वर्चुअली संवाद भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जहाँ दूसरों की उम्मीद खत्म होती है, वहाँ मोदी की गारंटी शुरू होती है। सरकार न केवल हर व्यक्ति को भोजन, स्वास्थ्य, आवास आदि की गारंटी दे रही है, अपितु सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही है। गाँवों के विकास के साथ ही शहरों का भी तेज गति से विकास किया जा रहा है। पहले केवल बड़े शहरों का विकास होता था, अब भारत के टू-टियर और थ्री-टियर शहरों का भी विकास हो रहा है।

भारत में छह करोड़ छोटे शहर हैं। अमृत मिशन और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से इनका भी समग्र विकास किया जा रहा है। शहरों में जलापूर्ति, ड्रेनेज, सीवेज, सीसीटीवी, स्वच्छता के साथ ही ईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ डूईंग बिजनेस, ईज ऑफ ट्रेवल पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना में शहरों के छोटे व्यवसायियों को सरकार की गारंटी पर व्यवसाय के लिये ऋण दिया जा रहा है, इनमें 45 प्रतिशत महिला हितग्राही हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में सरकार ने 20 करोड़ महिलाओं के खाते में सहायता राशि दी। सभी को मुफ्त में वैक्सीन लगाया गया। निःशुल्क राशन योजना प्रारंभ की गई। मोदी ने कहा कि सरकार की पेंशन और सुरक्षा योजनाओं से जुड़ें।

अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना का लाभ लें। इन योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों के खाते में 17 हजार करोड़ रुपये पहुँच चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना में अभी तक हितग्राहियों को एक लाख करोड़ रुपये का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा चुका है। जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से 80 प्रतिशत कम कीमत पर दवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार गाँव से शहरों में काम के लिये आये व्यक्तियों का पूरा ध्यान रखती है।

विश्व में शांति स्थापित करने के लिए ताकत और पावर के बीच संतुलन बरकरार रखने पर जोर

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ़ ऑब्जेक्टिव स्टडीज (आईओएस) द्वारा ग्लोबलाइज्ड दुनिया में युद्ध, राजनीति, सुरक्षा विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित वक्ताओं ने विश्व में शांति स्थापित करने के लिए ताकत और पावर के बीच संतुलन बरकरार रखने पर जोर दिया है।

ओखला स्थित मुख्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अमेरिका से आए प्रसिद्ध विद्वान सैम पित्रोदा ने कहा कि दुनिया के कुछ देश और नेता अपने स्वार्थ और राजनीतिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए शांति के बजाय दुनिया को युद्ध की तरफ धकेलने के प्रयास में जुटे हुए हैं। इस मौके पर पद्मश्री प्रोफेसर अख्तरुल वासे ने कहा कि 1946 में संयुक्त राष्ट्र संघ का उदय जिस मकसद के लिए किया गया था, वह उसमें पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ में पांच देशों को मिले वीटो पावर की वजह से संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का उद्देश्य समाप्त होता जा रहा है। उनका कहना है कि जब किसी प्रस्ताव पर 50 प्रतिशत से अधिक सदस्य देश अपनी स्वीकृति व्यक्त करें तो इस प्रस्ताव पर वीटो पावर का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो राम पुनयानी ने कहा कि फिलिस्तीन समस्या पिछले 75 सालों से मौजूद है मगर इसका समाधान नहीं हो पा रहा है। सम्मेलन को चीन के पूर्व राजदूत अशोक कांता व पूर्व राजदूत मीम अफजल ने भी संबोधित किया।

देश में परिवर्तन लाएगा 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने का प्रधानमंत्री का लक्ष्य : अमित शाह

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को साणंद में विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लक्ष्य रखा है कि देश में 2 करोड़ लखपति दीदी बनानी हैं। यह योजना अगर देश के हर गांव तक सफलता के साथ पहुंच जाये, तो भारत में सही मायने में परिवर्तन आ जायेगा। उन्होंने कहा कि देश की गरीब बहनों की आमदनी में वृद्धि होने से उनके जीवन की अनेक छोटी-छोटी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी और इसी प्रकार की व्यवस्था की कल्पना विकसित भारत संकल्प यात्रा में की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की मोदी गारन्टी है।

इस अवसर पर शाह ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 2047 में जब देश की आजादी के 100 साल पूरे करे तब भारत पूर्ण विकसित हो उसका संकल्प लेने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में पिछले 10 सालों में सुरक्षा, अर्थव्यवस्था सहित हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। मोदी सरकार ने देश की सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का स्वप्न प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया। मोदी जी के नेतृत्व में भव्य राममंदिर भी बनने जा रहा है। मोदी जी के ही शासनकाल में हमारा चंद्रयान चांद पर पहुंचा और चांद पर तिरंगा फहराया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार होने से गुजरात को तो डबल फायदा हुआ है।

विरोध लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों को लिखा पत्र, कहा-

सदन की घटना को निष्कासन से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण

बीएनएम@नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को पत्र लिखकर कुछ सदस्यों के सदन से निष्कासन को 13 दिसंबर को हुई घटना से जोड़ने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सदन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सबकी सामूहिक है। उन्होंने सांसदों से सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की भी अपील की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पत्र में कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल और कुछ सांसद सदन द्वारा लिये गए सांसदों के निलंबन के फैसले को संसद में हुई घटना से जोड़ रहे हैं। यह सर्वथा

अनुचित है। सांसदों के निलंबन और सदन में 13 दिसंबर को हुई घटना का परस्पर कोई संबंध नहीं है। सांसदों का निलंबन विशुद्ध रूप से संसद भवन में श्रेष्ठ संसदीय परंपराओं के अनुपालन से जुड़ा है।

बिरला ने सदन की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में सदस्यों को अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए कहा है कि संसद की सुरक्षा संसद के क्षेत्राधिकार में आती है। सबसे प्राप्त विचार-विमर्श और सुझावों के आधार पर कार्ययोजना बनेगी और संसद सचिवालय उसे क्रियान्वित करेगा। पूर्व में तत्कालीन अध्यक्षों और सदन ने ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए उन पर आवश्यक कार्रवाई की है। सबसे सदन संचालन में सहयोग की अपील करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि वे सदस्यों से अनुरोध करते हैं कि समर्पण भाव के साथ देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभायेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि देश की जनता सदन की कार्यवाही को बाधित करने और अनुचित व्यवहार की सराहना नहीं करेगी। इसी संदर्भ में आज केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि पत्र के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष ने अपनी व्यथा आगे रखी है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों से सदन की सुरक्षा और कार्यवाही के संबंध में सुझाव मांगे हैं। सांसद के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम संसद की गरिमा को ठेस न पहुंचायें। अध्यक्ष किसी एक पक्ष के नहीं बल्कि पूरे देश का होते हैं और संविधान की गरिमा के संरक्षक के रूप में सदन की सेवा करते हैं। उनके पत्र में यह पीड़ा भी झलकी कि कुछ सांसदों को निलंबित कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने सदन की गरिमा को तार-तार कर दिया था लेकिन अनुशासनहीनता के खिलाफ कार्रवाई को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का बिलासपुर में गर्मजोशी से स्वागत

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का शनिवार को बिलासपुर पहुंचने पर गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान नड्डा के साथ केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल, विधायक रणधीर शर्मा, जिला अध्यक्ष स्वतंत्र संख्यान्न समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। तीन राज्यों में बड़ी जीत के बाद भाजपा अध्यक्ष नड्डा का हिमाचल प्रदेश का यह पहला दौरा है। इस दौरान नड्डा सुंदर नगर में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन भी करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने पीएमसीएच के पुनर्विकास कार्य तथा डबल डेकर पुल का किया निरीक्षण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल को विश्वस्तरीय अस्पताल बनाया जा रहा है, जिसमें मरीजों को बेहतर ढंग की आधुनिक तकनीक से युक्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। नीतीश ने कहा कि यहां कार्य करने वाले चिकित्सकों से लेकर कर्मियों तक के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के रहने के लिए भी बेहतर ढंग से छात्रावास का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सीएम ने निर्देश देते हुए कहा कि पहले फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही दूसरे और तीसरे फेज का निर्माण कार्य भी तेजी से पूर्ण करें। जब यह पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा तो मुझे काफी खुशी होगी। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल का जेपी गंगा पथ और अशोक राजपथ से बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें ताकि मरीजों और उनके परिजनों को पीएमसीएच पहुंचने में कम समय लगे और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अशोक राजपथ पर बन रहे डबल डेकर पुल का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को तेजी से निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री पाटलि पथ पर रुके और अधिकारियों को निर्देश दिया कि पाटलि पथ और नेहरु पथ के बीच सीधा संपर्क बनाने की योजना पर काम करें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में कैलाश हुए शामिल

केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रति किया जागरूक, गिनाए इसके लाभ

बीएनएम@किशनगंज

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने शनिवार को जिले में कोचाधामन के कैरीबीरपुर पंचायत के पंचायत सरकार भवन के पास आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा, कार्यक्रम में पहुंचकर जायजा लिया।

पंचायत सरकार भवन के पास आयोजित कार्यक्रम में मंत्री कैलाश चौधरी और विधान पार्षद डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत के स्थानीय लाभुकों को स्वीकृति लाभ प्रदान किया। जीविका दीदियों समेत एसएचजी समूह ने "मेरी कहानी मेरी जुबानी" के द्वारा उपस्थित लोगो को योजनाओं के लाभ लेने के प्रति प्रोत्साहित भी किया।

मौके पर केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित लोगो को संबोधित कर केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक किया तथा लोगो को इनका लाभ लेकर विकसित भारत के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद सुंदरबाड़ी पंचायत के किसान कॉलेज में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में मंत्री उपस्थित हुए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के द्वारा 5 राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाने पर आयोजित कार्यक्रम तथा उनके संबोधन को लाइव स्ट्रीमिंग द्वारा सुना गया।

इस मौके पर विधान पार्षद डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल भी उपस्थित रहे। लोगो के बीच योजनाओं की जानकारी देते हुए उनसे इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। सिविल सर्जन, निर्देशक डीआरडीए, एसडीएम, बीडीओ तथा प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में योजनाओं की जानकारी दी गई। जिले के सभी 125 पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। सभी स्थलों पर नोडल पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

ड्रोन के माध्यम से भी कार्यक्रम की निगरानी किया गया। प्रचार स्थल पर स्थानीय नागरिकों को अटल पेंशन योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के साथ राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में भी विस्तार से स्थानीय नागरिक को बताया गया।

उल्लेखनीय है कि 17 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कोचाधामन के गरगांव पंचायत में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाग लेंगे।

श्रीराम मंदिर अयोध्या से पूजित अक्षत कलश मधेपुरा पहुंचा

सहरसा/मधेपुरा।श्रीराम मंदिर अयोध्या से पूजित "अक्षत हल्दी कलश" के मधेपुरा पहुँचने पर रामभक्तों ने काफी हर्षोल्लास के साथ कलश पूजन किया।शहर के जिला मुख्यालय स्थित सार्वजनिक श्री बड़ी दुर्गा स्थान परिसर में पूजित कलश पहुँचते ही जयश्रीराम के नारे से सारा शहर गूँज उठा। सर्वप्रथम विश्वहिन्दू परिषद् के जिला कार्याध्यक्ष इंदुशेखर सिंह एवं बजरंग दल के जिला संयोजक प्रीतम कुमार,कोषाध्यक्ष अतुल प्रकाश,राजू सनातन, दिलीप सिंह, ललनजी, विक्की विनायक, सौरभ यादव, रुपेश यादव, जटाशंकर कुमार, विशाल कुमार, सूरज कुमार, अभिमन्यु कुमार, शनि कुमार, सौरव यादव आदि दर्जनों रामभक्तों ने अक्षत कलश को सार्वजनिक श्री बड़ी दुर्गा स्थान में श्रद्धापूर्वक रखकर पूजन किया। तत्पश्चात मंदिर परिसर में बैठकर सभी रामभक्तों ने इस निमित्त एक अल्पकालीन बैठक किया।उक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि दिनांक-01 जनवरी 2024 से यह पूजित अक्षत एवं पत्रा (राम मंदिर अयोध्या का आमंत्रण पत्र) नगर एवं सभी गाँवों में घर-घर तक पहुँचाया जाएगा।

सुशील मोदी ने सीएम व डिप्टी सीएम के संबंधों पर किए सवाल

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बीच राजनीति संबंधों को लेकर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने शनिवार को यहां बयान जारी कर कहा कि पिछले 10 दिनों से बिहार में कुछ अनहोनी घटनाएं घट रही हैं। मुख्यमंत्री का सरकारी कार्यक्रमों में चुप्पी साध लेना और तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री के साथ कार्यक्रमों का बहिष्कार करना।

मोदी ने कहा कि तेजस्वी यादव पिछले एक सप्ताह से मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा करने से क्यों कतरा रहे हैं? बहुप्रचारित इन्वेस्टर्स मीट के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ मुख्य अतिथि थे। उद्योग विभाग राजद कोट के मंत्री

समीर महासेठ के पास है। दोनों दिन में से किसी दिन एक मिनट के लिए भी नहीं गए। हां, सम्मेलन के अगले दिन एक आईटी कंपनी का छोटे से कार्यालय उद्घाटन में अकेले अवश्य गए।

सुशील मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री इन्वेस्टर्स मीट में निवेशकों से बिना मिले, बिना भाषण दिए चले गए। पुनौरा धाम सीतामढ़ी में जानकी मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में भी बिना भाषण दिए हेलीकॉप्टर में बैठकर उड़ गए। कल नवादा में गंगाजल कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री ने भाषण नहीं दिया। उन्होंने ने कहा कि तेजस्वी यादव पर्यटन के लिए जापान सपरिवार जा सकते हैं लेकिन पुनौरा के अपने विभागीय कार्यक्रम में नहीं जाते हैं। आज पीएमसीएच के और डबल डेकर सड़क के निरीक्षण में मुख्यमंत्री के साथ नहीं दिखे।

मोदी ने कहा कि बिहार की जनता को जानने का अधिकार है कि राज्य का उप मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री मंच साझा क्यों नहीं कर रहे हैं? कहीं डर तो नहीं की मुख्यमंत्री बोलते-बोलते जंगलराज की याद कराने लगे और फिर मुख्यमंत्री को कौन बोलने से रोक रहा है? डॉक्टर या राजनीतिक सलाहकार?

अपहरण मामले में फारबिसगंज के दो दोषियों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

अररिया। अररिया के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने अपहरण कर अपहृत के परिजनों से फिरौती मांगने के अपराध में दो दोषियों को आजीवन कारावास के साथ दस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। साथ-ही-साथ कोर्ट ने दोनों दोषियों को दस -दस हजार रुपये का अर्थ दंड का आदेश भी अपने निर्णय में दिया। जुर्माने की रकम नहीं अदा करने पर दोनों ही दोषियों को छह महीने तक की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायालय ने दोनों ही दोषियों को अलग-अलग विचारन ट्रायल नंबर में सजा सुनाई।सत्र वाद ट्रायल नंबर 224/2022 में फारबिसगंज के अमहारा के रहने वाले 22 वर्षीय जितेंद्र कुमार साह पिता-दिलीप साह और सत्र वाद ट्रायल नंबर - 570/2022 में फारबिसगंज के मझुआ के रहने वाले 34 वर्षीय प्रदीप कुमार विश्वास पिता - जगरनाथ विश्वास को यह सजा सुनाई। दोनों ही सत्र वाद फारबिसगंज थाना प्राथमिकी कांड संख्या- 72/2022 से सबंधित है.जिसके सूचक कुन्दन कुमार विश्वास, पिता - विद्यानन्द विश्वास है। 20 जनवरी 2022 को आठ बजे बड़ी नहर मियां हाट सुनील कुमार के गौशाला के पास से अपहृत शंकर विश्वास को अपहरण कर लिया गया था और सूचक के मोबाईल फोन जान बचाने के लिए बीस लाख रुपये फिरौती की रकम मांगी गई थी। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रवीन्द्र कुमार विश्वास ने दोषियों की कम उम्र का हवाला देते हुए कम से कम सजा सुनाई जाने की गुहार लगाई,जबकि अभियोजन पक्ष की ओर से जानबूझकर कर किए गए अपराध के लिए विधि सम्मत सजा सुनाई जाने की दलीलें पेश की गई।

अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती पर आयोजित महिला क्रिकेट चैंपियनशिप में 107 खिलाड़ी होंगे शामिल

बीएनएम@पटना

पटना के राजकीय संस्कृत कॉलेज मैदान में भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती पर आयोजित महिला क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का चयन 2 दिवसीय ट्रायल के तहत किया गया।

खिलाड़ियों का चयन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू एवं क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती पर 20 से 25 दिसम्बर तक आयोजित 6 दिवसीय महिला क्रिकेट चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के चयन के लिए दो दिवसीय ट्रायल का आयोजन

किया गया था। जिसमे आज पूरे बिहार से लगभग 200 खिलाड़ियों ने शामिल होकर अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। इनमें 107 खिलाड़ियों का चयन चैंपियनशिप के लिए किया गया है।

उन्होंने कहा कि ट्रायल के आधार पर चैंपियनशिप के लिए 06 टीमों का गठन किया गया है और ट्रायल में पास सभी खिलाड़ियों को इन 06 टीमों में बांटा जाएगा। उन्होंने चयनित सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं चैंपियनशिप हेतु शुभकामनाएं प्रदान किया।

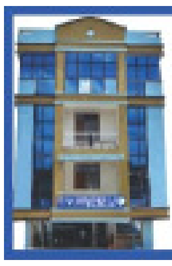
कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

पिकअप सहित भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को चकिया डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने वीमलपुर मोड के समीप स्थित रविदास टोला से एक पिकअप पर लदा भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त किया है। वही पिकअप चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया है कि गिरफ्तार पिकअप चालक मधुबन थाना क्षेत्र का दिनेश गिरि है,जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को शराब तस्करी को लेकर गुप्त सूचना मिली थी जिसमें त्वरित कार्रवाई करते हुए में मेहसी,चकिया व मधुबन थाना को अलर्ट किया गया था।

एसपी ने बताया कि जब्त शराब की मात्रा 802 लीटर बताई गई है। जिसको लेकर कारोबारी को चिन्हित करते हुए प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। पुलिस टीम में डीएसपी चकिया सतेंद्र कुमार सिंह, मेहसी थानाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद, एसआइ राहुल कुमार, एएसआई सुशांत कुमार आदि शामिल थे।

कई थाना में नये थानेदार की पोस्टिंग

मोतिहारी। एसपी कान्तेश कुमार मिश्र ने जिले में पांच थानाध्यक्ष की पोस्टिंग की है। जिसमें इस्पेक्टर राजीव कुमार को अभियोजन शाखा पुलिस कार्यालय से छौड़ादानों थानाध्यक्ष,राजेश कुमार को पुलिस कार्यालय से डुमरियाघाट थानाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावे सब इंस्पेक्टर मनोज राम को सहायक दारोगा पकड़ीदयाल से थानाध्यक्ष जय बजरंग ओपी,मोहम्मद शाहरुख को पुलिस लाइन से थानाध्यक्ष शिकारगंज एवं राजेश कुमार राय को सहायक दरोगा मुफ़सील थाना से थानाध्यक्ष दरपा बनाया गया है।

युवती की गला दबाकर हत्या, साक्ष्य छुपाने के नियत से शव को जलाया

बीएनएम@तुरकौलिया

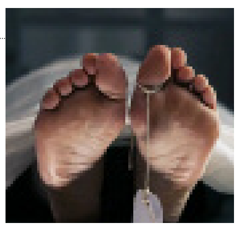

जयसिंहपुर दक्षिणी पंचायत के वार्ड 10 के बड़हरवा गांव में एक युवती की गला दबाकर हत्या कर दिया गया है। हत्यारो ने साक्ष्य छुपाने के नियत से युवती के मां के गोद से शव छीनकर जला दिया। मृतका मुन्ना महतो की पुत्री कविता कुमारी है।

घटना 14 दिसंबर की है। इस मामले मे मृतका की मां मुसमती देवी ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमे अपने पट्टीदार गौरी महतो, मनु महतो, मोतीलाल महतो व तूफान महतो को नामजद अभियुक्त बनाया है। जहां उसने बताया है कि उसके पति मुन्ना महतो उसे छोड़कर दूसरी शादी रचा ली है। वह अपने बच्चों के साथ रहती है। मजदूरी कर बाल बच्चो की परवरिश करती है। गुरुवार को वह गांव में मजदूरी करने गई थी। दोपहर में लौटी तो उसके घर के अंदर से गौरी महतो अपने तीनो पुत्र के साथ बाहर निकले। जब घर के अंदर गई तो कविता मृत पड़ी हुई थी। उसके पाटीदार गौरी महतो ने अपने पुत्र के सहयोग से हत्या कर दिया था।

शव को गोद में लेकर रोने लगी। उसी दौरान वे चारों घर में घुसकर गोद से शव को छीन जलाकर साक्ष्य नष्ट कर दिए। गौरी महतो से जमीनी विवाद है। वह हत्या करने का पहले धमकी भी दिया था।

थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस एक आरोपित मनु महतो को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

नवनिर्मित पीजी भवन का कुलपति ने किया उद्घाटन

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में शनिवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. (डॉ.) शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी द्वारा नवनिर्मित पीजी भवन का उद्घाटन किया गया। कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण करते हुए भवन को काफी सुव्यवस्थित,मजबूत और आधुनिक मूलभूत आवश्यकताओं से युक्त बताया। उन्होंने इस महाविद्यालय में सत्र 2023-2025 से सात विषयों में पीजी के पढ़ाई की अधिसूचना जारी किया।

उन्होंने छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष प्रो. अभय कुमार सिंह को विश्वविद्यालय नामांकन पोर्टल में एलएनडी कॉलेज का नाम जोड़ने हेतु निर्देशित किया। प्रो. अभय कुमार सिंह ने बताया कि आगामी 20 दिसंबर से पीजी में नामांकन के लिए फॉर्म भरा जाएगा। कुलपति चतुर्वेदी ने महाविद्यालय संस्थापक स्व. लक्ष्मी नारायण दूबे तथा संस्थापक प्राचार्य स्व. गौकर्ण प्रसाद शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। एनसीसी कैडेट्स द्वारा कुलपति को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। कुलपति द्वारा बेस्ट कैडेट्स को मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया।

वहीं कुलपति प्रो.शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी, बीआरएबीयू सीसीडीसी प्रो. अमिता शर्मा, डीएसडब्ल्यू प्रो. अभय कुमार सिंह एवं कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.)अरुण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रजवल्लन करते हुए बीसीए विभाग में साइबरण्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों और विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक लाभों को अपनाने का सुझाव देते हुए इसकी नकारात्मकता से बचने का आवाहन किया। कॉलेज प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने कुलपति सहित सभी आगंतुक अतिथियों को शॉल, बुके तथा प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। बीसीए विभाग की छात्राओं ने स्वागत गान की मनमोहक प्रस्तुति दी।बीसीए समन्वयक डॉ. पिनाकी लाहा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस टेक्निकल समागम से विद्यार्थियों के प्रद्योगिकी संबंधी ज्ञान में निरंतर वृद्धि होती है।उन्होंने विभिन्न आगंतुक टेक्निकल कंपनी प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

खेती | विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लोगों को किया जागरूक

ड्रोन से खाद का छिड़काव करने की दी गई जानकारी

बीएनएम@केसरिया

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लोगों को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। इस कड़ी में शनिवार को प्रखण्ड क्षेत्र के लोहरगावां व गोंछी कुशहर पंचायत में उपस्थित लोगों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

संस्कृत उच्च विद्यालय लोहरगावां के परिसर में पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना से करीब एक दर्जन लोगों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक श्री सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के हितार्थ कई योजनाएं संचालित कर रही है। जिसका व्यापक स्तर पर लोग लाभ उठा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें इलाज के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर रेजिस्ट्रेशन किया गया। वहीं किसानों को खेतों में ड्रोन के माध्यम से खाद का छिड़काव करने आदि की जानकारी दी गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना, जिला मंत्री शम्भु महतो, मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, पार्टी के विधानसभा प्रभारी विवेकानंद पाण्डेय, मनोज पासवान, अविनाश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

बैगलेश डे पर बच्चों ने किया योगाभ्यास

बीएनएम@आदापुर

बैगलेश डे शनिवार को प्रखंड के भवानीपुर पंचायत राजकीय नवसृजित प्राथमिक विद्यालय सोनारटोला चैनपुर में स्कूली बच्चों ने योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत बच्चो ने राष्ट्रगान से किया।

बच्चों ने अनुलोम-विलोम ,भ्रस्तिका, भ्रामरी, कपालभाति प्राणायामों एवं शवासन, भुजंगासन, बालासन आदि आसनों का अभ्यास किया। साथ ही,योग की महत्ता से अवगत हुए।

प्रधान शिक्षक शिव शंकर गिरि ने बच्चे को योग की महत्व की विस्तृत जानकारी दिया। बताया कि योग से निरोग रहा जा सकता है। योग शरीर की मांसपेशियों मजबूत, स्वास्थ्य व दिमाग शांत रखने में मदद करता है। चिकित्सा अनुसंधान से पता चला है कि योग से शारिरिक और मानसिक दोनों रूप से अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। योग तनाव से राहत देता है और बेहतर नींद लाता है, भूख व पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

मौक़े पर शिक्षक उमेशचंद्र सहनी, रींकी कुमारी सहित प्रसून कुमार, विकास कुमार, प्रिंस कुमार, मंदिप कुमार, सज्जन कुमार, चन्दन कुमार, अजीत कुमार, वर्षा कुमारी, सुधा कुमारी, संध्या कुमारी, सोनम कुमारी, पूनम कुमारी , अन्नु कुमारी सहित सैकड़ों बच्चे मौजूद थे।

जेई ने विद्युत चोरी करते हुए चार लोगों को रंगे हाथों पकड़ा

तुरकौलिया। बिजली चोरी करने की सूचना पर विधुत विभाग ने टीम बनाकर रघुनाथपुर में छापेमारी की है। छापेमारी टीम का नेतृत्व विद्युत कनीय अभियंता मिट्ठू कुमार कर रहे थे। छापेमारी के दौरान चार लोगों को टीम ने विद्युत चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। अभियंता मिट्ठू ने थाना में आवेदन देकर चारों आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया है।

आरोपियों में एटीएम वाली गली के नीतू कुमारी, गोविंद प्रसाद, सुधीर कुमार सहित चार शामिल है। जेईई ने बताया कि गुप्त सूचना मिला था की उक्त चारों आरोपियों के द्वारा चोरी करके विद्युत उपयोग की जा रही है। सूचना पर टीम गठित कर छापेमारी के लिए पहुंचे तो देखा की उपभोक्ता नीतू कुमारी के द्वारा विद्युत मीटर बाईपास कर निम्न विभव लाइन मे टोका फसाकर विद्युत की चोरी की जा रही थी। जिससे विभाग को करीब 29 हजार की क्षति हुई है। वही गोविंद प्रसाद का बकाया राशि के कारण लाइन काट दिया गया था।

लेकीन इनके द्वारा टोका फसाकर इस्तेमाल की जा रही थी। जिससे विभाग को बकाया और चोरी को मिलाकर करीब 49 हजार की क्षति पहुंची है। इसी तरह उपभोक्ता सुधीर प्रसाद के द्वारा बाईपास कर विधुत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी। दोनों उपभोक्ताओं से मिलाकर करीब 63 हजार की क्षति हुई हैं। रघुनाथपुर ओपी प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज अग्रतर कारवाई की जा रही है।

अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए हमें हमेशा तैयार व तत्पर रहना चाहिए– प्राचार्य

मोतिहारी। नगर स्थित मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार ने नगर निगम के होल्डिंग टैक्स के बकाए का एकमुश्त भुगतान कर एक अनोखी मिसाल कायम की है। महाविद्यालय प्रशासन ने निगम के टैक्स दारोगा को आमंत्रित कर कुल बकाया राशि 39,41,049(ऊंचालिस लाख इक्तालीस हजार उन्चास) का भुगतान चेक द्वारा शनिवार को कर दिया जिसके लिए उन्हें नगर निगम द्वारा बधाई दी गई है। इसी तरह प्राचार्य ने विद्युत विभाग के सहायक विद्युत अभियंता,राजस्व शमन समीर को कुल बकाया राशि 21,67,623 (इक्कीस लाख सड़सठ हजार छः सौ तेईस) रुपए का एकमुश्त भुगतान कर एक नजीर पेश किया है। यह राशि चेक के रूप में एस.डी.ओ.को प्रदान किया गया। प्राचार्य डॉ.अरुण कुमार ने कहा है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी का आह्वान है कि अधिकार की बातें हमने बहुत कर ली, अब कर्तव्य को जगाने का समय आ गया है। अतः अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए हमें हमेशा तैयार और तत्पर रहना चाहिए,जब हम टैक्स का समय पर भुगतान करते हैं तो संदर्भित संस्था इस राशि से विकास कार्य को अंजाम देती है।

एसएसबी ने एक किलो गांजा और बाइक के साथ गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

बगहा। वाल्मीकि नगर के भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 21 वी वाहिनी बी कंपनी के जवानों ने कंपनी कमांडर विवेक सिंह डांगी के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक किलो गांजा व बाइक के साथ एक तस्कर को धर दबोचा।

इस बाबत जानकारी देते हुए वाल्मीकि नगर स्थित इंडो- नेपाल सीमा के गंजक बराज पर तैनात एसएसबी के सहायक कमांडेंट विवेक सिंह डांगी ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी,की चौतरवा की ओर से तस्कर के द्वारा किसी मादक पदार्थ की सप्लाई वाल्मीकि नगर में होने वाली हैं।इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसबी के उप निरीक्षक मोहिंदर सिंह के नेतृत्व में एक टीम की गठित कर टंकी

बाजार स्थित पेट्रोल पंप के समीप वाहन जांच के लिए भेजा गया।

वाहन जॉच के दौरान शुक्रवार की शाम लगभग 7 बजे एक लाल रंग के होंडा की बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR 22 AY 7851है। का जांच के क्रम में थैले में रखे गांजा जिसका वजन लगभग 1 किलो था, को जब्त किया गया।गांजा व बाइक के साथ गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान वाल्मीकि नगर थाना क्षेत्र के लव-कुश घाट निवासी सूरज कुमार उम्र लगभग 30 वर्षपिता स्वर्गीय सीता राम साह के रूप में की गई है।जांच पडताल के बाद मे गांजा,बाइक व तस्कर को वाल्मीकिनगर थाना को सुपुर्द कर दिया गया हैं।

वामीकि नगर थाना के थानाध्यक्ष विजय प्रसाद राय ने बताया कि एसएसबी द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति,बाइक और एक किलो गांजा को थाना के हवाले कर दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने आगे बताया कि आवेदन के आलोक में एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना कांड संख्या 121/23 दर्ज करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एसएसबी बगहा ने वाल्मीकिनगर के भेड़िहारी में नशा मुक्त अभियान चलाय

बगहा। एक्कसवीं वाहिनी एसएसबी बगहा ने शनिवार को वाल्मीकि नगर के भेड़िहारी में रैली निकाल कर नशा के खिलाफ लोगों को जागरूक किया है। रैली को 21 वीं वाहिनी के कमांडेंट श्रीप्रकाश नेतृत्व कर रहे थे । स्कूल के बच्चों ने बढ़ चढ़कर रैली में भाग लिया। स्लोगन से स्थानीय लोगो को जागरूक किया गया।सभी से रैली के माध्यम से आग्रह किया गया की आप सभी नशे से दूर रहें,नशा बहुत ही खराब होता है। रैली के बाद स्थानीय स्कूल राजकीय उत्कर्मिक विद्यालय बच्चों के नाटक,कविता,तथा गणमान्य लोगों के भाषण के द्वारा स्थानीय लोगो को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम एसएसबी गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्कूल के बच्चों के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं पारिवारिक समाज का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है।

स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है।

महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है.

उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। ।

ख्वाब में हकीकत

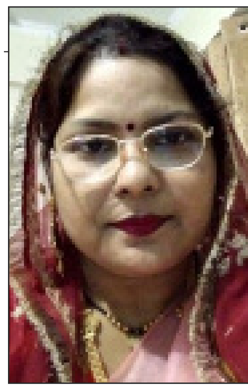

ममता सिंह राठौर, कानपुर

सपने जो हम सोते हुए देखते हैं, उनके बारे में आप लोगो की क्या राय है? बताइगा। वैसे मेरी भी समझ में कुछ ज्यादा नहीं है, हां पर यह लगता है कि जो मन में चल रहा होता है वो देखते हैं, फिर कभी बिल्कुल विचित्र सपने होते हैं। खैर, आज हम आप को आज के सपने में देखी हुई घटना का ही विवरण दे रही हूं जो बिल्कुल सच है।

हुआ यूं की आज दोपहर मैं जब सोई तो इस सपने ने ही जगा दिया, तो मन थोड़ी देर तक सोचता रहा फिर हँसी भी आ गई तो सोचा चलो आप लोगों को भी जगाते हैं, हँसाते हैं। अच्छा आज समय का जो दौर है उसके साथ सब लोग क्या चल पा रहे? हां पर कुछ लोग दौड़ रहें है कुछ लोग छलांग लगा र हे हैं, पर कुछ लोग बेचैन भी हैं और सोचते हैं कि हमारी भारत भूमि जहां सत्यवादी हरिश्चंद्र, राजा दशरथ, जैसे लोग हुए हैं बल्कि आज भी किसी विद्यालय में झूठ का समर्थन नहीं होता। सामने से, बाकी आप सब की राय,पर अब आप चलते फिरते देखो कैसे -कैसे लोग, एक छोटी सी बात मन में घूम रही थी।

हुआ यूं की किसी से मेरी यूं ही रास्ते में मुलाकात हुई, नमस्ते की, हमने तो वो खड़ी हो गई बात करती रहीं । मेरे सच्चे लेखन की जिससे वो बहुत प्रभावित हैं, ऐसा बताया उन्होंने, तभी मेरी नजर उनके हाथ में दूध की बाल्टी पर पड़ी तो हमने पूछ लिया कितने में देते हैं दूध? तो जवाब देखिए- हमने पूछा ही नहीं कितने में देता है हम तो जो बिल देता है बस दे देती हूं.... हिहिही। हमें भी हँसी आ गई,अच्छा जी राम राम।

अब अगली कथा जिसने हमें जगा दिया वो यह की सपने में सजी संवरी आठ -दस औरतें दिखीं तो हमने पूछा- आज करवा चौथ है क्या? तो सब की सब देखी होंठ तो हिलाईं पर जवाब नहीं दिया। हमने फिर पूछा तो फिर वही अभिनय की और एक ने कहा हां है करवा चौथ,तभी हमने कुछ सोचते हुए कहा अच्छा पर हमने तो नवरात्रि का व्रत किया है यह मार्च का महीना है करवा चौथ तो अक्तूबर के महीने में होता है। इसके आगे जो बोल कर मेरी आँख खुल गई वो यह कि जो तुम लोग लिपी पुती बैठी हो, बिल्कुल टी वी सीरियल की सास -बहू साजिश, और-सीखो और घर फोड़ो। मंथरा हो पूरी की पूरी। यह सब मेरे सपने में घटी घटना है ।कोई व्यक्तिगत न ले। वैसे सुंदर यह है कि सब हरी साड़ी में सुहागिनी देवियां दिखीं।

व्यंग्य: दीनू की किस्मत

हनुमान मुक्त

खुशी में समय कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। रामखिलावन उर्फ आर के साहब का समय भी बहुत अच्छे ढंग से गुजर रहा था। आजकल उनकी गिनती अच्छे अफसरों में होने लगी थी। अपनी अफसर बिरादरी में उनकी अच्छी पोजीशन थी। अच्छे खासे परिवार में उनकी शादी हो गई। वे पापा भी बन गए। सात साल का उनके एक बेटा है।

सिंह साहब जैसे गुरु के मार्गदर्शन और अपनी कार्यशैली से उनके पास अपना मकान और बैंक बैलेंस भी बन गया है। उनकी ही जाति बिरादरी का एक युवक है दीनदयाल।

अपने बूते अनुसार पढ़ने लिखने के बावजूद, काफी कोशिश करने के बाद भी जब किसी सरकारी महकमे में अपनी जगह ढूंढने में वह नाकामयाब रहा तो उसने असर-कारी स्कूल में देश का भविष्य निर्माता बनाने का कार्य शुरू कर दिया। असर-कारी स्कूल मास्टर की तनख्वाह असर-दायक नहीं होने से दीनदयाल स्कूल समय से पहले और बाद में होम ट्यूशन कर अपना गुजारा करने लगा।

घर में उसकी मां के सिवाय कोई नहीं था। पिता का देहांत बहुत पहले बचपन में ही हो चुका था। दीनदयाल की उम्र तीस साल के पार हो गई लेकिन क्या मजाल जो कोई नवयौवना का पिता अपनी पुत्री का हाथ उनके हाथों में देने का मानस बनाता। बेचारा दीनदयाल इधर-उधर ताक-झांक कर अपना काम चला रहा था। ताकते-झांकते उसकी आंखों को भी अब शर्म आने लगी थी। पर बेचारा क्या करता?

यार, दोस्त जब अपने बीवी बच्चों के साथ हंसते बतियाते निकलते तो उसके दिल पर सांप लोट जाता। मन ही मन उसे अपनी किस्मत पर रोना आता। इसी मोहल्ले का होने के कारण सब उसे दीनू ही कह कर पुकारते। प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के कारण अब वह दीनू से दीनू मास्साब बन चुका था। दीनू का पढ़ाने लिखाने में मन कितना लगता। यह तो नहीं पता लेकिन उसके द्वारा घर पर पढ़ने वाले बच्चे और उनके मां-बाप उससे बहुत प्यार करते। वह भी घर पर बच्चों को पढ़ाने के अलावा सब कुछ करता। बच्चों को पढ़ाई का सामान लाने से लेकर, घर का सामान लाने में भी वह कोई कोताही नहीं बरतता। जैसे तैसे दीनू अपना गुजर-बसर कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह आर के सर के यहां भी उनके नौनिहाल को घर पर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करने लगा था। अन्य ट्यूशन वालों के घर पर वह एक घंटे से अधिक समय खराब नहीं करता लेकिन आरके साहब की लोकप्रियता और कार्यशैली से प्रभावित होकर वहां वह दो घंटे तक खराब करने में कोताही नहीं बरतता।

उसका मानना था कि यह इन्वेस्टमेंट है जिसका फल उसे भविष्य में अवश्य मिलेगा। दीनू यहां साहब और साहिबा के पर्सनल कामों को भी पूरी मुस्तैदी से मन लगाकर पूरा करता। आरके साहब, साहिबा और उनका नौनिहाल दीनू की कर्तव्य निष्ठा, वफादारी और मेहनत से खुश थे। साहब को दीनू की दयनीय दशा पर काफी दया आती, जिसे दीनू अच्छी तरह जानता था। अपनी दयनीय दशा को अच्छी दशा में बदलने के लिए वह मनोरथ सिद्ध वृक्ष पर जाकर मनोकामना का धागा भी बांध आया था। मनोरथ सिद्ध वृक्ष की कृपा उस पर आई या उसकी मेहनत, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी ने अपना रंग दिखाया कि एक दिन शाम को साहब, दीनू पर कुछ अधिक मेहरबान नजर आए। उन्होंने दीनू को एक अखबार थमाते हुए कहा, दीनू! इस अखबार में हमारे महकमे में बाबू की जगह के लिए विज्ञप्ति छपी है। तुम फॉर्म भर दो। दीनू ने अखबार को इधर-उधर पलटा। बोला,साहब इस नाम का अखबार तो आज पहली बार देखा है । सुनकर साहब के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान उभर आई। बोले, जब यह बाजार में आएगा ही नहीं तो तुम देखोगे कैसे? इसका प्रसारण हम जैसे कुछ एक अधिकारियों तक ही सीमित है। तुम्हें आम खाने हैं या पेड़ गिनने। जैसा कहा है, वैसा करो। कल शाम तक फॉर्म तैयार कर दे जाना। अत्यंत गोपनीय काम है। किसी से कुछ कहना मत। दीनू को आम खाने थे। साहब के यहां ट्यूशन के काम को और भी निष्ठा से करने का मन ही मन निर्णय किया। साथ ही साहब के निर्देशानुसार अपना भविष्य संवारने का भी। उनके कहे अनुसार फॉर्म तैयार कर गोपनीय ढंग से साहब को दे आया।

कुछ दिनों बाद साहब ने परीक्षा में बैठने का बुलावा पत्र दीनू को थमा दिया और कुछ गोपनीय निर्देशों के साथ ठीक समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंचने का आदेश भी। दीनू ने साहब के आदेशों की अक्षरशः पालना की। सभी काम ठीक-ठाक ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुंजी ,पेपर मिलने के आधे घंटे बाद ही दीनू के पास पहुंच गई और दीनू परीक्षा में पास हो गया। अब आ गई टाइप टेस्ट की बारी। परीक्षा तो टीप टाप कर पास कर ली लेकिन अब टाइप टेस्ट कैसे पास करेगा दीनू। उसे तो टाइप करने की एबीसीडी तक नहीं आती फिर वह टाइप की स्पीड में कैसे पास होगा। मन ही मन वह सोच रहा था।अपना संशय उसने साहब के समक्ष रखा।

साहब ने उसे मस्त रहने को कहा। आर के साहब अब खुद अलादीन के चिराग बन चुके थे। जिनके पास हर समस्या का हल था। पी टीआई सिंह साहब का उन पर पूरा असर था। सिंह साहब की उन पर पूरी कृपा दृष्टि थी ।वे अपने गुरु सिंह साहब से पूरा गुरु ज्ञान ले चुके थे। उन्होंने टाइप टेस्ट वाले दिन दीनू को दिन भर उनके घर पर ही रहने का निर्देश दे दिया कि वह आज घर से बिल्कुल ना निकले। अपने स्कूल से भी आज की छुट्टी ले ले। दीनू, साहब के गोरखधंधे के बारे में सोचता उससे पहले ही उसके दिमाग में पेड़ गिनने के बेवकूफी भरे प्रयास की बजाय आम खाने का विचार आ जाता। उसे आम खाने थे ।वह सब कुछ साहब के निर्देशानुसार कर रहा था। टाइप टेस्ट के दिन, दिन भर साहब के घर पर ही रहा ।जो घर का काम वह कर सकता था ।उसने पूरी कर्मठता से किया। शाम को उसे छुट्टी मिल गई। टाइप टेस्ट हो गया ।कुछ दिनों बाद परीक्षा परिणाम आ गया। दीनू बिना टाइप टेस्ट में बैठे ही टाइप टेस्ट में अच्छे अंको से पास हो गया ।बाद में पता चला कि उसकी टाइप टेस्ट की परीक्षा साहब के ऑफिस में काम करने वाले टाइपिस्ट ने दी थी। भगवान ने दीनू की सुन ली। अब वह आर के साहब के ऑफिस में ही सरकारी बाबू बन गया।

मुक्तायन, 93, कांति नगर
मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी,
सवाई माधोपुर (राजस्थान)

नमिता गुप्ता मनसी

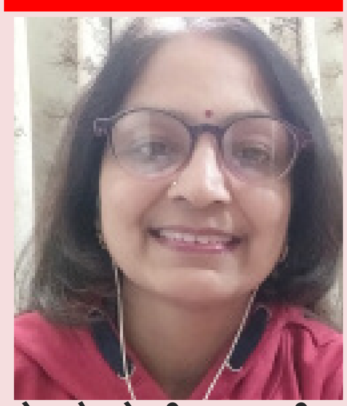

हो सके तो सीखना कभी..

पेड़ों से..बीजों के अंकुरन की भाषा,
चिडियों से..घोंसला बुने जाने की भाषा,
पतंगों से..हवाओं की भाषा,
बादलों से..बारिश की भाषा,
बूंदों से..पानी की भाषा,
नदियों से..अनवरत बहने की भाषा,
तारों से.. आकाश की भाषा,
सूरज से..धूप की भाषा,
चांद से..चमकने की भाषा!!

नवजात से.. किलकारी की भाषा,
चित्रकार से..रंगों की भाषा,
स्त्री से.. उसके दर्द की भाषा
प्रौढ़ से..जीवन की भाषा
प्रेम से..मौन की भाषा,
और
जीवन से..उसके होने की भाषा!

सुनों..
समाहित हैं ये सभी भाषाएं सदियों से
कवियों की कविताओं में!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैंलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैंलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

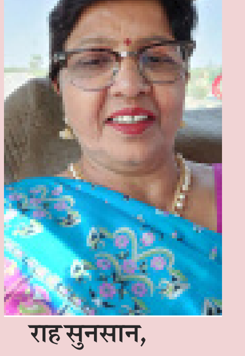

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

व्यंग्य: आई लव मीडिया

अशोक व्यास

आई लव इण्डिया यहाँ तक तो ठीक है और हम सब इण्डिया को लव करते हैं यह भी सब जानते हैं लेकिन आई लव मीडिया का नारा कोई कैसे बुलंद कर सकता है? मीडिया को भी कोई लव करता है? कैसी बात कर रहे हैं आप हमारा तो मोटो है आई लव इंडिया और आप बीच में आई लव मीडिया कहां से ले आए. रुकिए, रुकिए मेरी बात ध्यान से सुनिए असल में क्या है कि हम भारतीय बहुत उत्सव प्रिय हैं यह बात तो पूरा विश्व जानता है और जब हम चोबीस गुणा तीन सौ पेंसठ दिन उत्सव मनाएंगे तब उसे दिखायेंगे ही नहीं तो क्या फायदा इतनी उछल कूद करने का. जब दिखाने की बात आती है तब हमें मीडिया की जरूरत होगी वही तो है जो सब कुछ दिखाता है, सुनाता है, बताता है, कुछ भी नहीं छुपाता।

मीडिया चाहे कोई भी हो प्रिंट मीडिया हो, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या सोशल मीडिया इतने सारे मीडिया हैं तब यह हाल है कि सब को दिखने दिखाने का समान अवसर नहीं मिल रहा है. सोचिए पुराने जमाने में क्या होता होगा, तब एक ही मीडिया काम करता था वह था मुख मीडिया, एक मुख से बात निकली और निकलकर एक से दो, दो से चार और चार से आठ मुख से निकलकर कानों तक पहुँच कर कई गुना होकर चारों दिशाओं में फ़ोकट में आपको सेलिब्रिटी बना देती थी. वैसे यह मीडिया आज भी बाकायदा सक्रियता से अपनी भूमिका निभा रहा है. इतने सारे मीडिया होने के बावजूद यही मीडिया है जो आपकी प्रशंसा या बुराई को आगे बढ़ाने का काम लगातार कर रहा है। हां इस मीडिया से प्यार के प्रसार के कारण इतना जरुर हुआ है कि हम बहुत सोशल होकर मुख मीडिया से मुखपोथी (फेसबुक) तक आ गए हैं. इसलिए अन्य मीडिया के साथ बहुत सारे सोशल मीडिया हो गए हैं. मीडिया का रोल पहले भी था, आज भी है, पहले भी हम उससे प्यार करते थे, आज भी हम उससे प्यार करते हैं, कोई स्वीकार नहीं करता है लेकिन में वाइरल विडियो की कसम खाकर कहता हूं आई लव मीडिया.

हम जीवन के किसी भी आश्रम में रहते हों मीडिया ही हमारे जीवन को आसरा दे रहा है नेता अभिनेता, खिलाडी, उपदेशक आदि को बिना मीडिया के जीवन निस्सार लगता है भले ही प्रवचन कर्ता संसार को माया मोह कहते रहें. सुबह उठ कर सच्चा भारतीय 'कराग्रे वसते लक्ष्मी' का मंत्र पढ़कर हथेली नहीं देखता बल्कि 'कर मध्ये मोबाइल' लेकर सोशल मीडिया का अपडेट देखता है.

मुझे याद है जब मैं छोटा था तब समाचार पत्रों में किसी बच्चे के गुमने की सूचना दी जाती थी उसका फोटो भी छपा रहता था जिसमें लिखा जाता था कि 'घर आ जाओ बेटा तुमसे कोई कुछ नहीं कहेगा' उससे प्रेरणा लेकर मैंने अपने पिताजी से कहा कि 'मेरा फोटो भी आपको अखबार में छपवाना पड़ेगा'. वह भोंहे चढ़ाकर कर कहने लगे' क्यों तुम क्या मेरिट में आये हो जो तुम्हारा फोटो अख़बार में छपाना पड़ेगा'।

बेचारे पिताजी, जैसे आज भोले होते हैं वैसे ही उस समय भी होते थे, पहले भी उन्हें कुछ अता-पता नहीं रहता था, बच्चों की भावनाओं को पहले भी नहीं समझते थे और आज भी समझ नहीं पाते हैं. मैने उनके ज्ञान में वृद्धि करते हुए कहा-'जब मैं घर से भाग जाऊंगा, तब आप मेरा फोटो अखबार में छपवा देना, कम से कम इसी बहाने अखबार में मेरा फोटो तो आ जाएगा'. यह सुनकर उन्हें इतना गुस्सा आया कि उन्होंने मुझे घर से भगा भगा कर मारा और कहने लगे' खानदान की नाक कटवाने पर तुला है हमारे घर से आज तक कोई नहीं भागा और आप चले हैं भागकर नाम रोशन करने'.

उसके बाद टीवी के दौर में भी वही इतिहास दोहराया गया तब एक ही अपना प्यारा सरकारी दूरदर्शन होता था उसमें भी गुमशुदा की तलाश के लिए सूचना और फोटो आते थे तब मैंने अपनी पत्नी को सूचित किया कि ' टीवी में मेरा फोटो आ जाए, इसलिए मैं घर से गायब हो जाता हूं और तुम टीवी में मेरा फोटो भेज कर सूचना कर देना कि' तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा तुम घर वापस आ जाओ'. पत्नी ने रिटर्न गिफ्ट के रूप में बच्चों को लेकर मायके जाने की धमकी दे दी थी, मैं घबरा गया लेकिन मीडिया से मोह नहीं छूटा. मैंने कोशिश की थी अपना फोटो चुपचाप भेज कर दूरदर्शन पर छा जाऊं लेकिन उस समय भी मेट्रो सिटी के लोगों को वहां प्रमुखता दी जाती थी। छोटे सिटी वालों के फोटो नहीं आते थे, इसलिए वह आईडिया मैंने कैंसिल कर दिया था .

कहते है संसार के आकर्षण से कोई नहीं बच सकता है देवता भी यहाँ आने के लिये तरसते हैं. लेकिन मीडिया के कारण इसका आकर्षण कई गुना बढ़ गया है यकीन ना हो तो बेबी बंप से लेकर बुड्डे बुड्डीयों के फोटो सोशल मीडिया पर देख लो. लगता है मीडिया ने हमारे जीवन में प्रवेश नहीं किया बल्कि हम मीडिया में प्रवेश कर गए हैं. तभी तो सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक के कार्यकलाप के फोटो सोशल मीडिया पर भरे पड़े है तभी तो रवि और कवि कहीं पहुंचे या ना पहुंचे लेकिन उसी तर्ज पर जहाँ ना पहुंचे दिवाकर वहां पहुंचे फोटोग्राफर की कहावत भी फ़ैल हो गई है. उसके लिये किसी को कहीं पहुँचाने की जरुरत नहीं है बस आपके हाथों में स्मार्ट फोन होना चाहिए और जहाँ चाहे वहां पहुँच कर चाहे तो जिन्दा प्रसारण भी कर सकते हैं तभी तो रियल लाइफ की रील बना बना कर सेलिब्रिटी बनने की होड़ लगी है.

हम जीवन के किसी भी आश्रम में रहते हों मीडिया ही हमारे जीवन को आसरा दे रहा है नेता अभिनेता, खिलाडी, उपदेशक आदि को बिना मीडिया के जीवन निस्सार लगता है भले ही प्रवचन कर्ता संसार को माया मोह कहते रहें. सुबह उठ कर सच्चा भारतीय 'कराग्रे वसते लक्ष्मी' का मंत्र पढ़कर हथेली नहीं देखता बल्कि 'कर मध्ये मोबाइल' लेकर सोशल मीडिया का अपडेट देखता है. लाइक के लालची का विडिओ वायरल हुआ कि नहीं, सब स्क्राइब का सहारा मिला कि नहीं, शेयर की सुनामी आई कि नहीं तब जाकर वह ऊपर वाले को याद करता है.

न्यूज अच्छी है या बुरी है इससे फर्क नहीं पड़ता है बल्कि पेड न्यूज और फेक न्यूज के फर्क ने सोशल मीडिया पर इतना भोकाल मचा रखा है कि पेड और फेक के चक्कर में असल न्यूज पीछे रह जाती है जैसे खोटे सिक्के असली को चलन से बाहर कर देते हैं. सोशल मीडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तरह आपके जीवन को कितना प्रभावित कर रही है कि शादी विवाह जन्मदिन आदि समारोह और मरे गिरे की खबर इस पर डालते ही विषाणु से संक्रमित मेरा मतलब है वायरल हो जाती है संक्रमण का अर्थ वही है एक से दो, दो से चार इस तरह खबर फ़ैल जाती है ऐ आई की तरह मीडिया ने जीवन इतना आसान कर दिया है कि इधर कोई मरा नहीं कि उधर छुटभैया नेता से विश्व नेता तक ट्विट करके फारिग हो जाते हैं नहीं तो अपना ॐ शांति तो है ही ॐ शांति लिखो और छुट्टी पाओ. इतने सारे, इतने प्यारे, इतने न्यारे मीडिया से जो करे इंकार] उसका हो कैसे बेड़ापार.

महनाज़ नूरी 'माही', शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश

मुझे सब के सब यूं गले से लगाएं,
यह खुशबू सितारे यह पलकों के साए।।

यह दिलकश नजाऱे यह रंगी फिजाएं,
मोहब्बत के जुगनू बहारों के साए।।

मिटा ना सकेगा ज़माना यह मुझको ,
मेरे सर पे मां की दुआओं के साए।।

सताएगा कैसे ग़म-ए- हिज्र उसको,
जिसे घेर लेते हों यादों के साए।।

मिलेगी हमेशा उसी को ही मंज़िल,
जो तूफ़ां से कश्ती को खुद लेके आए ।।

हथेली पे जान अपनी लेकर चली हूं,
कहां तक कोई अपने सर को बचाए।।

यह 'माही' मां की दुआ का असर था ,
की खुद मुझको तूफ़ां किनारे पे लाए।।

लघु कथा: माँ

भगवती सक्सेना गौड़, बैंगलोर

जोर जोर से कोई दरवाजा खटखटा रहा था, नीता दौड़ कर गयी और खोला, देखा ट्विंकल खड़ी थी।

वह बोली, आंटी बिजली नही है इसलिए जोर से धक्का देना पड़ा, सॉरी, कोई बात नही कहकर उसने गले लगा लिया, तुम बहुत प्यारी हो। ये सुनते ही ट्विंकल की आंखों में आंसू आ गए।

नीता अपने पड़ोस की भाभी रेणुका को बहुत पसंद करती थी, जो कैंसर से कई वर्ष जूझने के बाद पिछले वर्ष, ट्विंकल को छोड़ कर भगवान के पास जा चुकी थी।

आज ट्विंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर मे सब बहुत खुश हैं।

मैंने पापा से पूछा, आज क्या है ? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है।

आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नही चाहिए, उसी को सौतेली माँ कहते हैं ना।

मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौतेली माँ अच्छी नही होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी है। घर मे दादी, चाची सब है, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादो के साथ जीना सीख लिया है।

नीता समझ नही पा रही थी, बच्ची को कैसे समझाए, उसे रेणुका उस घर का सब हाल बताती थी, बीमारी ने तो बाद में खत्म किया, सास और पति के व्यवहार ने पहले ही मार दिया था, इसलिए ट्विंकल के लिए वो बहुत चिंतित रहती थी। अभी साल भी पूरा नही हुआ था और लोग शादी करने के चक्कर मे थे।

आज उसके दिमाग मे अचानक एक विचार आया उसने ट्विंकल से कहा, तुम मुझे कितना प्यार करती हो जवाब मिला ढेर सारा और वो गले लग गयी।

अब बच्ची को लेकर वो उसके घर गयी और उसकी दादी से कहा, अगर बुरा न माने तो एक बात आपसे कहना चाहती हूं, आपकी ट्विंकल इतनी प्यारी है, और आप जानती हैं मेरा अपना कोई नही है।

मैके में लोग है पर उनके लिए मैं सिर्फ एक मेहमान ही हूँ, इस प्यारी सी बच्ची को मुझे दे दीजिए, मैं ट्रांसफर कराकर कहीं और चली जाऊंगी कानूनी रूप से इसे अपनी बेटी बनाउंगी।

दादी सोच में पड़ गयी फिर घर मे मशवरा लेकर बाद में बताते हैं, ये कहा। शाम को ही ट्विंकल खुशी खुशी आयी और बोली आज मैं बहुत खुश हूं, घर मे सबने कहा, कि आपके साथ कहीं घूमने जाना है। आपमे मुझे मेरी अपनी मम्मी का रूप दिखता है, आप बहुत अच्छी हैं।

नमिता गुप्ता 'मनसी' मेरठ, उत्तर प्रदेश

चलें प्रकृति की ओर

(1)
वो जो एक पौधा..
देख रहे हो न
सडक के बांयी ओर
उग आया है स्वतः ही ,
कभी थोड़ा कुचला गया
कदमों से,
फिर संभला,
कभी कुछ.. सूखा,
थोड़ा हरा हुआ,
बस यूं ही क्रम चलता रहा..
वह..
बीज बनता रहा बार-बार
और ,
बढाता रहा भागीदारी
अपने हिस्से की..
पर्यावरण सुधारने में !!

(2)
मकानों के जंगल में
घर कहीं गुम हैं,
इंसान चुप है
पर, शोर बहुत है
संवेदनाओं में,
गलियां सुनसान..
सडकें भरी हुई भीड से
और..
रास्तें हैं कि
भटका रहे हैं हमको !!

(3)
ये कुछ सूखे-कुछ हरे पेड
कब तक पहरा देंगें पर्यावरण का,
कब तक
संभाल सकेगें
मिट्टी को,
और..
कितनें बादल
बना पाएंगे ?
कभी तो सूख ही जाएंगे न ??

(4)
मेरी छोटी सी कोशिश
एक दिन..
बचा लेगी कुछ बूंदें
बारिश की,
छोटा सा
एक टुकड़ा बादल का,
कोई छोटी सी नदी..
या थोड़ा सा समुद्र..
तब,
तुम्हें भी कुछ करना होगा ?
भला एक छोटा सा बादल
बरसेगा कब तक ?
कब तक !!

टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं?

गर्म या ठंडा पानी किससे नहायें

आज हम बात करेंगे टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं क्योंकि टाइफाइड के समय मरीज को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में अगर टाइफाइड के समय मरीज के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी नहीं बरती गई तो मरीज की हालत और भी बिगड़ सकती है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती है.

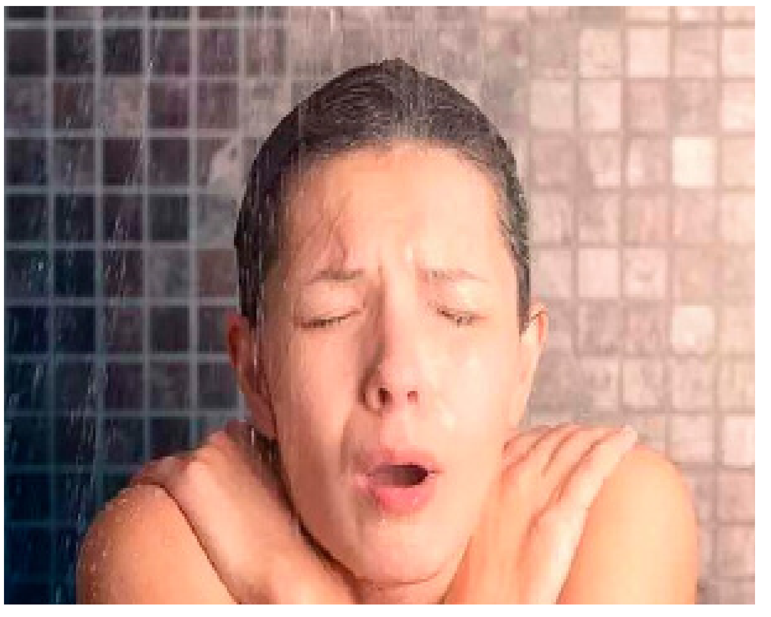

ऐसे में डॉ अलका यादव का कहना है टाइफाइड बुखार दूषित पानी से नहाने दूषित पानी पीने और इससे बने भोजन को करने से होता है इसीलिए हमें यह जानकारी होनी चाहिए कि टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं। आप टाइफाइड बुखार में सामान्य ताप के पानी से नहा सकते हैं इससे आप को कोई खास नुकसान नहीं होगा .

टाइफाइड में गर्म पानी से क्यों नहाना चाहिए?

डॉ अलका का कहना है कि टाइफाइड बुखार दूषित पानी पीने और दूषित पानी से बनने वाले भोजन को करने से होता है।

ऐसे में अगर आप उसी पानी से नहाएंगे तो आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है ऐसे में आपको नहाने के लिए पानी को गर्म करना आवश्यक बताया गया है क्योंकि पानी को गर्म करने से वह कीटाणु रहित हो जाता है जिसकी वजह से वह पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है।

इसीलिए टाइफाइड बुखार में गर्म पानी से नहाना बेहतर माना गया है। गर्म पानी से नहाने के साथ-साथ आपको टाइफाइड के समय गर्म पानी का सेवन पीने में भी करना चाहिए.

क्योंकि टाइफाइड में गर्म पानी पीने से शरीर से हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं इसीलिए आपको सुबह खाली पेट गर्म पानी और शाम को खाना खाने के बाद गर्म पानी का सेवन करना चाहिए इससे पाचन संबंधी समस्या भी ठीक हो जाती है

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है।

वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोजाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

घुंघराले बालों की समस्या: आजमाइए ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है।

लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें।

अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद सिर को पानी से धो लें और फिर हमेशा की तरह शैंपू करें।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे बालों का झड़ना रूकता है। इसके अतिरिक्त, यह बालों से डैंड्रफ दूर करने समेत इन्हें हाइड्रेट रखता है। लाभ के लिए हफ्ते में दो बार ताजे एलोवेरा जेल से अपने बालों में मालिश करें। फिर इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

योग

योग एक प्राचीन विज्ञान है या यूं कहें कि मानव जाति के लिए एक उपहार है। तब भी, हमारे गुरु मानव शरीर की जटिल मशीन की कार्यप्रणाली जानते थे। यदि गुरुओं द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सही तरीके से योग किया जाए, तो यह मानव शरीर को जबरदस्त फायदे पहुंचा सकता है।